AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : कॉलेज 10 हजार रुपये देकर कर सकेंगे स्लेट का प्रयोग

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त 524 कॉलेजों को अब ऑनलाइन क्लासेज के संचालन और एसाइनमेंट आदि में दिक्कत नहीं होगी। कॉलेज अब कॉपीराइट वाले लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, स्ट्रेटजिक लर्निंग एप्लीकेशन फॉर ट्रांसफॉरमेटिव एजुकेशन (स्लेट) को 10 हजार रुपये प्रति कोर्स शुल्क देकर साल भर प्रयोग कर सकेंगे। शनिवार को वित्त समिति की बैठक में इस पर मुहर लगी।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में कॉलेजों के ऑनलाइन क्लासेज के संचालन और

वित्त समिति ने लगाई मुहर, ऑनलाइन क्लासेज की दूर होगी दिक्कत

इस दिशा में हाल में दिए गए शासन के दिशा-निर्देश को लेकर चर्चा हुई। तय हुआ कि स्लेट पर विश्वविद्यालय का कॉपीराइट है। इसमें जहां ऑनलाइन क्लास की जा सकती है। वहीं ऑनलाइन अटेंडेंस लेने, डाक्यूमेंट शेयर करने और एसाइनमेंट लेने का भी विकल्प है। ऐसे में क्यों न कॉलेजों को भी इसका लाभ दिया जाए।

बैठक में चर्चा कर प्रति कोर्स 10 हजार रुपये शुल्क निर्धारित करने पर सहमति बनी। यह साल भर के लिए होगा। कोविड संक्रमण काल में विश्वविद्यालय में इसी एप के माध्यम से ऑनलाइन क्लासेज ली जा रही हैं। इसके साथ ही बैठक में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के लिए भी शैक्षिक व गैर शैक्षणिक पदों का सृजन किया गया। साथ ही बजट का भी प्रावधान किया गया। बैठक में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी मुकेश कुमार जैन आदि उपस्थित थे।

दो नए कोर्सों को भी हरी झंडी

इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज के तहत 02 कोर्स शुरू करने को वित्त समिति में हरी झंडी दी गई। यह पाठ्यक्रम मॉलिक्युलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स में एमएससी और डिप्लोमा इन स्किल डेवलपमेंट इन प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स हैं। कुलपति प्रो. राय ने बताया कि पाठ्यक्रम इंटर डिसीप्लिनरी हैं और स्वास्थ्य क्षेत्र में आज की चुनौतियों का सामना करने के लिए छात्रों को तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण और आउटरीच गतिविधियां हैं। यह छात्रों के तकनीकी कौशल को बढ़ाएंगे और फार्मास्युटिकल, जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य देखभाल उद्योगों के डिवीजनों में बेहतर संभावनाएं प्रदान करेंगे।

HINDUSTAN PAGE 4

शोध को बढ़ावा देने के लिए आमजनों से मांगी राय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शोध को सुदृढ़ करने के लिए के लिए समाज के सक्रिय लोगों से राय मांगी है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एलयू से जुड़े कॉलेजों में दिए जाने वाले शोध मार्गदर्शन की संभावना तलाशने के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। शोध को विस्तार देने के लिए ही बनी समिति भी विवि के हर विभागों के साथ बैठक करके सुझाव मांगेगी। इसी क्रम में सभी विभागाध्यक्षों और संस्थानों के निदेशकों की सात जून को बैठक बुलाई गई है। इस मामले पर डीन अकादमिक और रजिस्ट्रार, लविवि को registrar@ lkouniv. ac. in और deanacademicslu@ gmail. com पर मेल पर राय दे सकते हैं।

JAGRAN CITY PAGE 7

लविवि के ओएनजीसी सेंटर में शुरू होंगे दो नए कोर्स

पाठ्यक्रमों के प्रस्ताव पर वित्त समिति की बैठक में लगी मुहर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी सेंटर फार एडवांस स्टडीज में दो नए कोर्स शुरू होंगे। इंस्टीट्यूट आफ एडवांस मालिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज की ओर से दिए गए इन कोर्सों के प्रस्ताव पर शनिवार को वित्त समिति की बैठक में मुहर लगा दी गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि मालिक्युलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स में एमएससी और डिप्लोमा इन स्किल डेवलपमेंट इन प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन आफ मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स कोर्स शामिल है। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम इंटर-डिसिप्लिनरी होंगे और स्वास्थ्य क्षेत्र में आज की चुनौतियों का सामना करने के लिए छात्रों को तैयार करेंगे।

पाठ्यक्रम आणविक निदान और दवा परीक्षण के विशेष कौशल में मानव संसाधन के विकास में मदद करेंगे। इसके अलावा पाठ्यक्रम छात्रों के तकनीकी कौशल को बढ़ाएंगे और फार्मास्युटिकल, जैव प्रौद्योगिकी आदि में बेहतर संभावनाएं प्रदान करेंगे।

आंबेडकर विवि में बीटेक व एमबीए का पंजीकरण शुरू

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीटेक और एमबीए के कोर्स के लिए शनिवार से पंजीकरण शुरू हो गया। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bbau.ac.in पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। इस बार विवि बीटेक और एमबीए के दाखिले जेईई-कैट स्कोर के आधार पर ही होंगे।

स्नातक शिक्षकों के शोध पर सात से मंथन

लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) ने महाविद्यालयों में स्नातक के शिक्षकों के लिए शोध के रास्ते खोलने के संबंध में पांच सदस्यीय कमेटी पहले ही बना दी है। अब सभी विभागाध्यक्षों एवं संस्थानों के निदेशकों की पहली बैठक सात जून को बुलाई गई है।

लविवि प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि नई शिक्षा नीति स्नातक पाठ्यक्रमों के स्तर पर भी शोध के वातावरण और भावना को प्रोत्साहित करने के लिए सभी विभागाध्यक्षों और संस्थानों के निदेशकों की सात जून को बैठक होगी। वहीं, विवि से संबद्ध पांच जिलों के सभी कालेजों के प्राचार्यों की बैठक आठ जून को बुलाई गई है। बैठक में कालेज के शिक्षकों के पीएचडी मार्गदर्शन के लिए पात्रता और शोध के लिए आवश्यक अन्य सुविधाओं के बारे में चर्चा की जाएगी। इसके अलावा अन्य हितधारकों को नौ जून को बैठक के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि तीनों बैठकों की विस्तृत रिपोर्ट 15 जून तक कुलपति को सौंपी जाएगी। सभी हितधारक इस मामले पर डीन अकादमिक और रजिस्ट्रार, लविवि को registrar@lkouniv.ac.in और deanacademicslu@gmail.com पर अपनी राय भेज सकते हैं।

लविवि, बीबीएयू और भाषा विवि में मना पर्यावरण दिवस

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रोपा पौधा।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद महिला छात्रावास में तीर्थंकर वाटिका की स्थापना की। उन्होंने केवल, बरगद, सप्तपर्णी, साहू आदि के पौधे रोपे। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. अमिता कन्नौजिया आदि ने भी पौधे रोपे।

बीबीएयू में स्व. प्रो. डीपी सिंह की याद में आम, अमरुद व आंवला के पौधे लगाए गए। वहीं वेबिनार में कुलपति प्रो. संजय सिंह ने पर्यावरण और पारिस्थिकी तंत्र को संभालना जोर दिया। पौधरोपण व वेबिनार में प्रो. राणा प्रताप सिंह, प्रो. एसके द्विवेदी, प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा, प्रो. मधुलिका अग्रवाल बीएचयू आदि शामिल थे।

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि में आयोजित व्याख्यान में बीबीएयू के प्रो. वेंकटेश दत्ता ने पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन, प्लास्टिक के प्रयोग के दुष्प्रभावों पर चर्चा की। कुलपति प्रो. राणा कृष्णपाल सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ला, रजिस्ट्रार अशोक कुमार अरविंद व शिक्षकों ने फलदार व औषधि वाले पौधे रोपे। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी में कुलपति प्रो. भानु प्रताप सिंह ने पौधे रोपे।

स्नातक स्तर पर शोध की संभावना तलाशने को बैठकें कल से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रम के शिक्षकों को भी शोध का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

सभी विभागाध्यक्षों और संस्थानों के निदेशकों की बैठक 07 जून को बुलाई गई है। विवि से संबद्ध पांच जिलों के सभी कॉलेज प्राचार्यों की बैठक 08 जून को होगी। जिसमें कॉलेज के शिक्षकों के पीएचडी निर्देशक के लिए पात्रता और शोध के लिए आवश्यक अन्य सुविधाओं के बारे में चर्चा की जाएगी। अन्य संबंधितों की बैठक 09 जून को होगी। तीनों बैठकों की विस्तृत रिपोर्ट 15 जून तक कुलपति को सौंपी जाएगी। विश्वविद्यालय प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि सभी संबंधित इस मामले पर डीन अकादमिक और रजिस्ट्रार को मेल पर भी अपनी राय भेज सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE I

लविवि में पौधारोपण करते हुए कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ● सौजन्यः लविवि

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि में तीर्थंकर वाटिका की स्थापना : विश्व पर्यावरण दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय में तीर्थंकर वाटिका की स्थापना की गई। वाटिका में लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा वरगद, सप्तपर्णी, साहू, वेल आदि का रोपण चंद्रशेखर आजाद महिला छात्रावास में किया गया। उक्त तीर्थंकर वाटिका के निर्माण द्वारा न ही सिर्फ भारत की पारंपरिक धरोहर का संरक्षण किया गया बल्कि छात्र-छात्राओं को वाटिका द्वारा वृक्षों की जानकारी देने का प्रयास किया गया है। इसके अतिरिक्त वायो केमिस्ट्री विभाग और विधि संकाय में भी पौधारोपण किया गया।

THE PIONEER PAGE 3

Tirthankar Vatika set up at LU

Lucknow (PNS): Institute of Wildlife Sciences, Lucknow University, took initiative to establish Tirthankar Vatika on the occasion of World Environment Day. Kevali trees like Banyan, Saptaparni, Sakhu, Bel, Kadamb, Jamun, Bamboo were planted by the Vice Chancellor Prof. Alok Kumar Rai at Chandrashekhar Azad Women's Hostel.

Coordinator, Institute of Wildlife, Amita Kanaujia said that the construction of Tirthankar Vatika not only patronised the traditional heritage of India but also made an effort to inform the students about the Kevali trees.

She said Tirthankar Vatika means planting of Kevali trees of Jain Tirthankaras. There are 24 Tirthankaras in every Chakra of Jainism. There are 24 Tirthankaras in the present Chakra, out of which 18 have been born in Uttar Pradesh. In the light of penance, all the Tirthankaras received pure knowledge (knowledge only) under the shade of some tree. Therefore, these trees under which the Tirthankaras received only knowledge are called Kevali trees in Jainism. In the present Chakra,the Kevali trees of some Tirthankaras are as follows: Rushabhanath (Bargad tree), Ajit Nath (Chitvan, Saptaparni), Sambhav Nath (Sal), Pushpadant (Baheda), Sheetalnath (Bel), Vasupujya (Kadamba), Vimalnath (Jamun) Ananth Nath (Peepal), Arah Nath (Mango) Mallinapath (Ashoka), Munisuvrat Nath (Champa) Naminath (Maulashree) Neminath (Bamboo).

LU forms panel to explore possibilities of research

PNS ■ LUCKNOW

With a view to strengthening research activity, Lucknow University is providing greater opportunities to pursue research by students and supervisors of undergraduate college teachers. Vice-Chancellor Prof AK Rai has constituted a 5-member committee to explore possibility of research guidance to be given in colleges associated with LU.

"New Education Policy is committed to encouraging more research environment and spirit even at the level of undergraduate courses. All heads of departments and directors of institutes will meet on June 7 and all college principals from five districts now affiliated with the university will meet on June 8 to discuss matters about eligibility for PhD guidance of college teachers and other facilities required for research. Other stakeholders are invited for a meeting on June 9," LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

A detailed report based on the concentration will be submitted to VC by June 15. All stakeholders are required to send their opinion on this matter to the dean of academics and registrar, LU, via mail.

Meanwhile, the Institute of Advanced Molecular Genetics and Infectious Diseases at ONGC Centre for Advanced Studies, Lucknow University, has proposed to start two courses — MSc in Molecular and Human Genetics and Diploma in Skill Development in processing and value addition of medicinal and aromatic plants. A faculty member said that these courses are interdisciplinary and will be catering to challenges in the health sector.

"The main objectives of the institute are teaching, research, training and outreach activities. The courses have been passed in the finance committee meet held today. The courses will help in the development of human resources in specialised skills of molecular diagnostics and drug testing. The courses will enhance the technical skills of students and will provide better prospects in R and D divisions of pharmaceutical, biotechnology and health care industries. They will also provide opportunities for a successful research career in universities/institutions in the areas of biomedical genetics and agricultural sectors," he said.

AMRIT VICHAR PAGE 3

लखनऊ विवि में की गयी तीर्थंकर वाटिका की स्थापना

लविवि में पौध लगाते कुलपति प्रो. आलोक राय।

लखनऊ। लविवि के एनविस आर पी वन्यजीव संस्थान के तत्वावधान में पर्यावरण दिवस के अवसर पर तीर्थंकर वाटिका की स्थापना की गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बरगद, सप्तपर्णी, साहू, बेल, कदम्ब, जामुन, बांस आदि का रोपण चंद्रशेखर आजाद महिला छात्रावास में किया। इसके अतिरिक्त बायो केमिस्ट्री विभाग और विधि संकाय में भी पौधरोपण किया गया।

TOI PAGE 2

LU's SLATE to end online class glitches

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University-affiliated colleges that are facing difficulty in conducting online classes can now use LU's own learning management system, SLATE that promises more features as compared to other video conferencing apps for online classes. After paying a certain usage fee the colleges can use it. The decision was taken during the finance committee meet on Saturday.

"An affiliated college needs to pay Rs 10,000 for using SLATE for an undergraduate or postgraduate course. This fee will be for one year," said a senior official.

Also during the meeting, approval to start the Institute of Advanced Molecular Genetics and Infectious Diseases at ONGC Centre for Advanced Studies was given. The institute will offer two courses of MSc in Molecular and Human Genetics and Diploma in Skill development in processing and value addition of medicinal and aromatic plants.

"The courses passed in finance committee will help in the development of human resources in specialized skills of molecular diagnostics and drug testing. It will enhance the technical skills of students and provide better prospects in research and development divisions in the pharmaceutical, biotechnology and health care industries," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. He said it will also provide opportunities for research career in biomedical genetics.

Pandey to head LU's new women's dept

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: A faculty of Lucknow University's department of English and Modern European Languages, Prof Nishi Pandey was appointed as the first director of LU's Women's Development Centre, made to inspire girl students and women of the state in the areas of education, health, self-esteem, and financial independence.

"The centre will broadly work on empowering women and sensitizing men about women's issues and challenges. It will develop task forces in universities and colleges that will work towards the overall empowerment of women. It will help them in understanding government schemes and encourage them to use technology in day to day life," said Prof Pandey.